ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292RNI
REG. NO. UPBIL/2014/66218 **PP. No.- 119-120**

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e-I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-18, No.-IV, Issues-34, YEAR-Oct-Dec. 2024

आगरा में ब्रिटिश शासन कालीन राजनीतिक एवं आर्थिक परिवर्तन

1. निशा राठौर
2. पिंकी प्रजापति

1. प्रोफेसर 2. शोध अध्येत्री– इतिहास विभाग, आगरा कॉलेज, डॉ0 भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा (उ0प्र0) भारत

Received-19.10.2024, Revised-25.10.2024, Accepted-30.10.2024 **E-mail : pinkyp71663@gmail.com**

सारांशः यह शोध अध्ययन ब्रिटिश शासन की उन समस्त राजनीतिक एवं आर्थिक परिवर्तनों से सम्बंधित है, जिन्होंने आगरा को एक आधुनिक शहर के रूप में परिवर्तित किया । 19वीं शताब्दी के दौरान आगरा में ब्रिटिश शासन की स्थापना हुई। ब्रिटिश शासन की गतिविधियों का महत्वपूर्ण केन्द्र होने के कारण अंग्रेजों द्वारा आगरा जिले की बुनियादी प्रशासनिक संरचना निर्मित की गयी, जो कि काफी हद तक आज भी अपरिवर्तित बनी हुयी है। आगरा में विभिन्न ब्रिटिश शासकों के शासन अवधि के दौरान प्रशासनिक भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यापार वाणिज्यिक केन्द्रों, उद्योगों, यातायात, परिवहन साधनों इत्यादि का निर्माण किया गया; इसके साथ ही अनेक आवासीय संरचनाएँ, होटल, सिनेमा, प्ले ग्राउण्ड, कब्रिस्तान, रेलवे स्टेशन, सड़कें, पुल, पार्क, पोस्ट ऑफिस, लाइब्रेरी इत्यादि भी स्थापित किए गए। विभिन्न सामाजिक तत्वों एवं भौतिक स्थानों के विकास स्वरूप आगरा तेजी से समृद्ध शहर के रूप में परिवर्तित होने लगा है।

कुंजीभूत शब्द– ब्रिटिश शासन, राजनीतिक परिवर्तन, आर्थिक परिवर्तन, बुनियादी प्रशासनिक संरचना, परिवहन साधन, समृद्ध

आगरा वर्तमान भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के पश्चिम में स्थित है। आगरा 16वीं शताब्दी की शुरुआत में बयाना सरकार के अंतर्गत एक छोटा सा गांव मात्र था किंतु कुछ ही समय के अंतराल में इसे दुनिया के बड़े शहरों में गिना जाने लगा। रॉल्फ फिच ने आगरा को लंदन से भी बड़ा शहर बताया। इस प्रकार का तीव्र परिवर्तन इस क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। जिन परिस्थितियों में मध्यकालीन आगरा को समृद्ध आधुनिक शहर के रूप में परिवर्तित किया उसमें 19वीं शताब्दी के इतिहास की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस काल अवधि के दौरान ही आगरा में ब्रिटिश शासन की स्थापना हुई। ब्रिटिश शासन की गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र होने के कारण अंग्रेजों द्वारा आगरा जिले की बुनियादी प्रशासनिक संरचना निर्मित की गई। अंग्रेजों ने 19वीं शताब्दी की शुरुआत में आगरा को विजित करने के लिए अभियान किया। उसे समय आगरा मराठा शक्ति के नियंत्रण में था। अंग्रेजों का आगरा के लिए अभियान, भारत के द्वितीय– आंग्ल मराठा संघर्ष का ही एक महत्वपूर्ण चरण था, जिसमें अंग्रेजों ने लार्ड लेक के नेतृत्व में कई दिवसीय आंग्ल–मराठा संघर्ष के पश्चात् 1803 ई० में आगरा किले पर अधिकार किया। तत्कालीन मराठा शासक शैलतराव सिंधिया को पराजित कर आगरा किले से निर्वासित किया। अंततः अंग्रेजों ने आगरा पर 18 वर्षीय मराठा शासन का अंत कर सम्पूर्ण आगरा पर अपना पूर्ण आधिपत्य स्थापित किया। इस युद्ध ने आगरा नगर के इतिहास में एक नवीन अध्याय का प्रादुर्भाव किया। आगरा में ब्रिटिश शासन का यही प्रारम्भिक चरण था जिसके परिणामस्वरूप आधुनिक आगरा की नींव रखी गयी।

आगरा विजित करने के पश्चात इस क्षेत्र में अनियमित सैन्य शासन लागू किया गया। 14 दिस. 1804 ई. के रेगुलेशन के द्वारा आगरा में अधिनियमित प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गयी अर्थात् 1804 ई. से आगरा में नागरिक प्रशासन की शुरूआत हुई। 1804 ई0 में दीवानी–कचहरी, 1805 ई0 में छावनी परिषद एवं 1806 ई० में कलेक्ट्री की स्थापना की गयी। 25 जुलाई 1806 ई0 को कनिंघम को प्रथम कलेक्टर नियुक्त किया गया।

1833 ई0 का चार्टर एक्ट आगरा के भविष्य के लिए सौभाग्यशाली परिवर्तन लेकर आया। इस एक्ट के प्रावधानों द्वारा आगरा को भारत की चौथी प्रेसीडेन्सी घोषित किया गया। चार्ल्स मेटकॉफ इस नवगठित प्रेसीडेन्सी के प्रथम गर्वनर नियुक्त किये गये। 1835 ई0 में आगरा प्रेसीडेन्सी को 6 डिवीजनों में विभक्त किया गया और प्रेसीडेन्सी का नाम परिवर्तित कर उत्तर–पश्चिमी प्रान्त रखा गया। 1877 ई० में आगरा व अवध को मिलाकर ष्संयुक्त प्रान्त आगरा और अवधष् बनाया गया। इस प्रान्त में 10 कमिश्नरियाँ थी जिनमें से आगरा भी एक कमिश्नरी थी।

आगरा में अपने शासन को सुचारू रूप से चलाने एवं आर्थिक प्रगति के लिए अंग्रेजों द्वारा आगरा में बड़ी संख्या में प्रशासनिक भवनों एवं इमारतों का निर्माण किया गया। कलेक्ट्री, दीवानी, डाकघर, जिला कारागार, अभिलेखागार, रेलवे स्टेशन, पुल, वाटर वर्क्स, नगरपालिका, सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग इत्यादि महत्वपूर्ण परिवर्तन ब्रिटिश शासकों द्वारा किए गये।

ब्रिटिश शासन द्वारा किए गए आर्थिक परिवर्तनों के परिणाम स्वरूप आगरा मुख्य व्यापारिक केन्द्र बना। ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के लिए आगरा में रेल, परिवहन, सड़क यातायात, नहर, पुल एवं टेलीग्राफी इत्यादि के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया। ब्रिटिश प्रभुत्व के दौरान नये–नये मार्गो का विकास व नवीनीकरण कर आवागमन एवं परिवहन की उन्नत व्यवस्था प्रारम्भ की गयी। लारेंस रोड, ग्वालियर रोड, ताज रोड़, माल रोड इत्यादि जैसे कई नवीन रास्तों का निर्माण एवं पुनः नामकरण किया गया। आगरा में सड़कों, नहरों एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए 1854 ई. में पब्लिक वर्कस डिपार्टमेंट (च्ंव) की स्थापना की गयी। परिवहन को सुगम बनाने के लिए आगरा को महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन बनाया गया और ईदगाह, आगरा फोर्ट, टूंडला, आगरा छावनी रेलवे स्टेशनों का निर्माण किया गया। रेलवे निर्माण के कारण आगरा के तत्कालीन प्रमुख उद्योग जैसे– चमड़ा, पेठा, हैंडीक्राफ्ट्स आदि, खाद्यान्नों एवं अन्य कृषि उत्पादों का विस्तार सम्भव हुआ। अन्तर्देशीय और अन्तरराष्ट्रीय व्यापार में आगरा के उत्पादनों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए औपनिवेशिक शासन विशेष रूप से सक्रिय था।

शोध प्रविधि–शोध कार्य को पूर्ण करने हेतु ऐतिहासिक, वैज्ञानिक, विश्लेषणात्मक एवं सर्वेक्षणात्मक शोध विधियों का प्रयोग किया है। इन विधियों द्वारा विषय से संबंधित प्राप्त तथ्यों के उचित वर्गीकरण, विश्लेषण एवं आलोचना के आधार पर उन तथ्यों की व्याख्या द्वारा निष्कर्ष प्राप्त किये है।

शोध के परिणाम– 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासन ने आगरा के इतिहास में महत्वपूर्ण एवं परिवर्तनकारी दौर को प्रस्तुत किया। आगरा के संवैधानिक विकास, प्रशासनिक, नीतियां, आर्थिक परिवर्तन के संदर्भ में, यह अनुसंधान ब्रिटिश शासन के प्रभावों को कई आयाम में प्रकट करता है। आर्थिक विकास की ओर, ब्रिटिश शासन ने व्यापारिक उन्नति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित किया, किन्तु साथ ही यह स्थानीय उद्यमिता को ध्वस्त करने का खतरा लाया। इस अनुसंधान से पता चलता है कि आगरा का

अनुरूपी लेखक/ संयुक्त लेखक

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e-I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-18, No.-IV, Issues-34, YEAR-Oct-Dec. 2024

प्रशासनिक इतिहास, शिक्षा और आर्थिक विकास के क्षेत्र में ब्रिटिश शासन का प्रभाव अमूर्त है और इसके प्रभावों को आज भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

किसी क्षेत्र का प्रशासन एवं आर्थिक स्थिति स्तर उस क्षेत्र के लोगों की प्रगति और कल्याण के लिए उत्तरदायी होता है, इसीलिए यह एक ऐसा विषय है, जिस पर व्यापक क्षेत्र सर्वेक्षण की आवश्यकता है। यह शोध न केवल ऐतिहासिक दृष्टिकोण से, बल्कि वर्तमान सामाजिक और आर्थिक सुधारों के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। यह शोध मौजूदा साहित्य में नए दृष्टिकोण और विश्लेषण प्रदान करेगा, जो इस क्षेत्र में भविष्य के अनुसंधानों के लिए उपयोगी होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. चतुर्वेदी, सतीश चन्द्र, आगरा नामा, चन्द्रादित्य प्रकाशन, आगरा, 1994.
2. नरूल्लाह एण्ड नायक, द चार्टर एक्ट ऑफ 1813 फॉम ए टर्निंग पाइंट इन हिस्ट्री ऑफ इण्डियन एजुकेशन, मैकमिलन कम्पनी लिमिटेड, बोम्बे, 1965.
3. माथुर, देवीलाल रू आगरा व फतेहपुरी सीकरी के ऐतिहासिक भवन, सर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, 1954.
4. भानू, धर्म, हिस्ट्री एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ द नार्थ–वेस्टर्न प्रोविन्स, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी प्रा. लि., आगरा, 1957
5. Zaheer, M & Gupta, Jagdeo : The Organisation of the Government of Uttar Pradesh : A study of State Administration, Delhi,1970.
6. Latif, Syad Muhammad : AGRA Historical & Descrptive, Central Press Complet Ltd- Calcutta, 1896.
7. Peck. Lucy : AGRA&The Architectural Heritage, Roli books publisher, New Delhi, 2011.
8. शुक्ल चिन्तामणि, आगरा जनपद का राजनैतिक इतिहास, ताज प्रिटिंग प्रेस, मथुरा, 1980.
9. शर्मा, राजकिशोर, तवारीख–ए– आगरा, द्वितीय संस्करण, अभिजात प्रकाशन, आगरा, 2016.

*****